हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 175 | देहरादून, बुधवार, 03 जनवरी, 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

एक्सीडेंट के बाद जो ड्राइवर पुलिस को इन्फॉर्म कर देंगे उनको रियायत मिलेगी 3

मुख्यमंत्री ने 58 डोर-टू-डोर वाहनों का फ्लैग ऑफ किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 3 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय से 'स्वच्छ भारत मिशन' के अन्तर्गत देहरादून शहर में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 58 डोर-टू-डोर वाहनों का फ्लैग ऑफ किया। इस अवसर पर उन्होंने सेग्रिगेशन पर आधारित गीत का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन वाहनों की उपलब्धता से नगर निगम को अपशिष्ट प्रबंधन में काफी सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में स्वच्छता की दिशा में लगातार कार्य किये जा रहे हैं। स्वच्छ भारत मिशन में हम सबको अपना पूरा योगदान देना है। स्वच्छ और सुन्दर दून के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। लोगों में स्वच्छता के प्रति तेजी से जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के प्रति जागरूकता अभियान निरन्तर चलाये जाएं।

मुख्यमंत्री ने जिन 58 डोर-टू-डोर वाहनों का फ्लैग ऑफ किया उनसे नगर निगम देहरादून के सात विधानसभा क्षेत्रों राजपुर, रायपुर, डोईवाला, धर्मपुर, सहसपुर, मसूरी एवं देहरादून कैंट क्षेत्र से अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य किया जायेगा। डोर-टू-डोर कूड़ा एकत्रीकरण की व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 3.98 करोड़ रूपये की धनराशि से स्पेशल असिस्टेंश स्कीम में नगर निगम द्वारा ये 58 वाहन क्रय किये गये हैं।

इस अवसर पर शहरी विकास मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल, सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक श्री विनोद चमोली, उमेश शर्मा काऊ, खजान दास, सविता कपूर, निवर्तमान मेयर सुनील उनियाल गामा, जिलाधिकारी देहरादून सोनिका, नगर आयुक्त देहरादून गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त वीर सिंह बुदियाल एवं नगर निगम देहरादून के अधिकारी उपस्थित थे।

जनता ने पुष्प वर्षा से मुख्यमंत्री का स्वागत किया

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कपकोट, बागेश्वर में विकास खण्ड कपकोट से केदारेश्वर मैदान तक आयोजित रोड शो में प्रतिभाग किया। इस दौरान हजारों की संख्या में मौजूद स्थानीय जनता ने पुष्प वर्षा से मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान सांसद अजय टम्टा, विधायक सुरेश गढ़िया, विधायक पार्वती दास मौजूद रहे।

RO का पानी सब पीते हैं, लेकिन क्या जानते हैं RO शब्द का सही मतलब

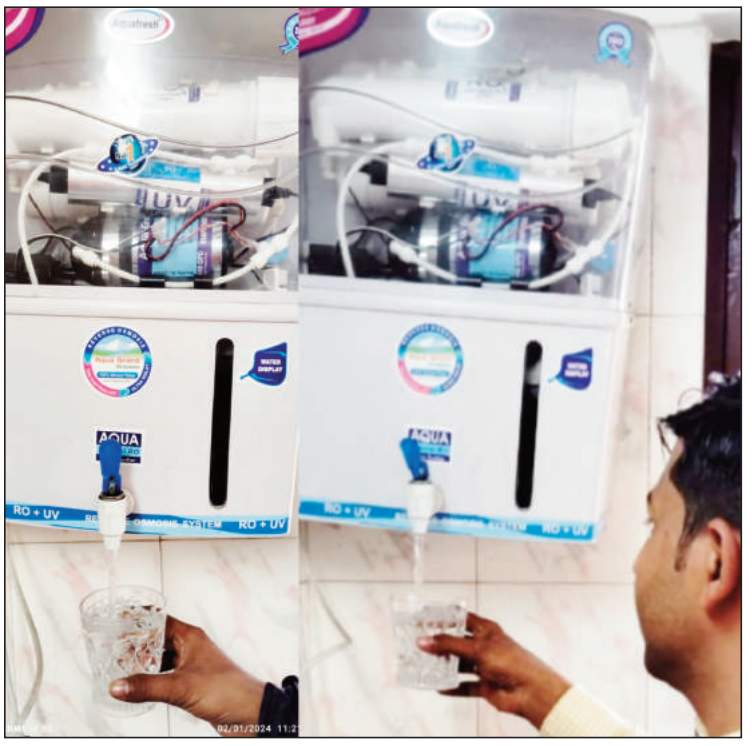

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 दिसंबर : आजकल हर किसी के घर में आरओ लगा होता है. हम उसी का पानी पीते हैं, क्योंकि जमीन का पानी या टोंटी से आया पाया अब उतना सुरक्षित नहीं रहा कि हम पी सकें. बड़े शहर ही नहीं, अब तो प्रदूषण की वजह से छोटे शहरों में भी आरओ की मांग लगातार बढ़ती जा रही है. लेकिन क्या आपने कभी सोचा कि आखिर RO शब्द का सही मतलब है क्या? इसे यही नाम क्यों दिया गया? कई लोगों को इसके बारे में पता नहीं होगा. तो आइए जानते हैं RO शब्द का सही अर्थ।

RO का फुल फॉर्म होता है रिवर्स ऑस्मोसिस हम सब जानते हैं कि आरओ दूषित पानी को साफ करने के लिए होता है. इस तकनीक से पानी के भीतर की सभी अशुद्धियां, मेटल पार्टिकल, बालू के कण, टीडीएस साफ हो जाती है. इस पूरी प्रक्रिया को हिन्दी में विपरीत प्रसारण कहते हैं. इसी से आरओ का नाम भी आया. इसे आप ऐसे समझें कि इंसानों और जानवरों के गुर्दे में भी रक्त से पानी को अवशोषित करने के लिए रिवर्स ऑस्मोसिस प्रक्रिया ही होती है. RO का इस्तेमाल उन क्षेत्रों में करना चाहिए जहां पर पानी खारा हो या पानी में टीडीएस की मात्रा ज्यादा हो. तटीय क्षेत्रों और बोरवेल के लिए RO बिल्कुल सही होता. जिन स्थानों पर पानी मीठा होता है वहां पर UV purifier (Ultra Violet) का इस्तेमाल करना चाहिए.

अब आपके मन में सवाल होगा कि आखिर ये टीडीएस क्या है? तो बता दें कि TDS का पूरा नाम Total Dissolved Solid होता है. यानी पानी में घुले हुए वे कण, जिनकी वजह से स्वाद खराब हो जाता है. इनमें कैल्शियम, नाइट्रेट, आयरन, सल्फर और कार्बनिक यौगिक होते हैं. कुछ तो इनमें से सेहत के लिए भी हानिकारक होते हैं. RO तकनीक के जरिये पानी को कई तरह की झिल्ली से गुजारा जाता है, जिससे ये कण छन जाते हैं और पानी साफ हो जाता है।

आकाश का सबसे चमकीला तारा जिसमे सूरज से भी 25 गुना ज्यादा है चमक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 जनवरी : जितनी रोचक हमारी पृथ्वी है, उससे कहीं ज्यादा रोचक है अंतरिक्ष क्योंकि यहां पृथ्वी जैसे तमाम ग्रह और सूर्य जैसे तमाम तारे मौजूद हैं. हमारी आंखें अब तक जिन्हें देखने की आदी हैं, वो – सूर्य, चंद्रमा और रात में दिखने वाले कुछ चमकीले तारे हैं. इनमें से सूर्य और चंद्रमा के बारे में फिर भी हम काफी चीज़ें जानते हैं लेकिन तारों के बारे में हमें ज्यादा नहीं पता है.

अगर आपसे पूछा जाए कि आकाश में सबसे चमकीला तारा कौन सा है? शायद ही आप इस सवाल का जवाब बिना गूगल सर्च किए दे पाएंगे. अगर आप सूर्य के बारे में सोच रहे हैं तो आप गलत हैं, जो आसमान का सबसे चमकीला तारा है, उसमें हमारी धरती को रोशनी देने वाले सूर्य से भी 25 गुना ज्यादा चमक है।

कौन है आकाश का सबसे चमकीला तारा?

हम रात में आकाश की ओर देखते हैं, तो बहुत से तारे दिखाई देते हैं. कुछ ज्यादा चमकीले तो कुछ मद्धिम चमकते हुए. इनमें से कुछ ग्रहों और तारा समूहों के बारे में तो हमें पता है लेकिन जो तारा सबसे चमकीला है, उसे कम ही लोग जानते हैं. ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कुछ यूजर्स ने इसके बारे में जानना चाहा. इसका जो सटीक जवाब है- वो सिरियस ए नाम का तारा है. इसे डॉग स्टार या संस्कृत में मृगव्याध या लुब्धक भी कहते हैं. ये पृथ्वी से 8.6 प्रकाश वर्ष की दूरी पर है. नासा के मुताबिक Sirius A सूर्य से दोगुना भारी है और इसका प्रकाश भी सूर्य से 25 गुना ज्यादा है.

Sirius एक बाइनरी स्टार सिस्टम का तारा है, जिसमें दो तारे हैं – Sirius A और Sirius B. इसमे Sirius A की चमक ज्यादा है, जबकि B मद्धिम है. अगले 60 हज़ार सालों में इस तारे की चमक बढ़ती जाएगी क्योंकि ये हमारे सौर मंडल की ओर बढ़ रहा है. इसे उत्तरी गोलार्ध में ठंड में काफी बड़ा दिखता है. सौर मंडल के पास आने के साथ ही इसकी चमक बढ़ेगी और फिर धीरे-धीरे इसके अंदर का ईंधन खत्म होने से ये मद्धिम बढ़ता जाएगा. हालांकि इस प्रक्रिया में अभी कम से कम 2 लाख साल लगेंगे.

कड़ाके की सर्दियों में आलसी क्यों हो जाते हैं लोग? ये है वजह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 जनवरी , सर्दियों में अमूमन लोगों को गर्मियों के मुकाबले ज्यादा आलस महसूस होता है. एक बार रजाई में घुसने के बाद बाहर निकलने का मन नहीं होता. यही नहीं, लंबा वक्त रजाई में बिताने के बाद भी थकान महसूस होती रहती है. क्या आप जानते हैं कि ऐसा क्यों होता है?

सर्दियों में ज्यादा आलस, नींद और थकान के लिए आपके मन से ज्यादा जिम्मेदार कई दूसरी चीजें होती हैं.

देश के ज्यादातर हिस्सों में कड़ाके की ठंड, सर्द हवा और कोहरे के कॉकटेल के जरिये सर्दी ने अपना प्रचंड रूप दिखाना शुरू कर दिया है. ऐसे मौसम में ज्यादातर लोग काफी आलसी हो जाते हैं. ज्यादातर लोग ज्यादा से ज्यादा समय रजाई में पड़े रहना चाहते हैं. बहुत जरूरी होने पर ही लोग अनमने होकर रजाई से बाहर निकलते हैं. लंबा वक्त रजाई में रहने के बाद भी पूरे-पूरे दिन थकान महसूस होती रहती है. क्या आप जानते हैं कि इसके लिए आप जिम्मेदार नहीं होते हैं. इसमें सूरज और आपका स्वास्थ्य मन से ज्यादा जिम्मेदार होता है.

सर्दियों के मौसम में आलस और थकान का सबसे बड़ा कारण धूप की कमी है. दरअसल, सूरज की रोशनी कम होने के कारण हमारी बायोलॉजिकल क्लॉक पर असर पड़ता है. लोगों के हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं. रोशनी कम होने के कारण मेलाटोनिन हार्मोन का उत्पादन बढ़ जाता है. यही हार्मोन नींद के लिए जिम्मेदार होता है. इसलिए लोगों को हर वक्त नींद का अनुभव होता है. साथ ही धूप की कमी के कारण शरीर में विटामिन डी की कमी होने से हर समय थकान महसूस होती है. विटामिन डी की कमी के कारण एनर्जी लेवल घट जाता है. साथ ही हमारी रोग-प्रतिरोधक क्षमता पर भी असर पड़ता है. यहां तक कि कुछ लोग सर्दियों में अवसाद और तनाव की समस्या का सामना भी करते हैं

ट्रेन में होते हैं 11 तरह के हॉर्न, हर आवाज का मतलब होता है अलग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 3 जनवरी : भारत में ज्यादातर लोग ट्रेन से ही यात्रा करना पसंद करते हैं. नए साल पर घूमने गए कई लोग ट्रेन से ही ट्रेवल कर रहे हैं. आपने ट्रेन के हॉर्न को कई बार सुना होगा. लेकिन क्या आपने कभी ये गौर किया है कि ट्रेन के हॉर्न की आवाज भी बदलती रहती है. जी हां, ट्रेनों में कुल 11 तरह के हॉर्न मौजूद होते हैं. अलग-अलग स्थितियों में अलग तरह की आवाज निकलती है। ट्रेन की आवाज के बारे में पूछने पर ज्यादातर लोग छुक-छुक की आवाज निकालते हैं. अगर हॉर्न आपने सुना होगा तो आपको ये नहीं पता होगा कि ये भी अलग तरह के होते हैं. ट्रेन में नौ तरह के हॉर्न होते हैं और ये अलग-अलग स्थितियों में बजाई जाती है. आइये आपको बताते हैं इनके नाम और इन्हें बजाने की वजह।

1 शॉर्ट हॉर्न- इस हॉर्न का मतलब है कि ट्रेन यार्ड में आ चुकी है और अब उसकी सफाई का समय है.2 शॉर्ट हॉर्न- इसका मतलब है कि ट्रेन अब चलने के लिए तैयार है.3 शॉर्ट हॉर्न- इसका मतलब है कि ट्रेन के लोको पायलट ने अपना नियंत्रण इंजन से खो दिया है और अब गार्ड को ट्रेन को वैक्यूम ब्रेक से रोकना है। 4 शॉर्ट हॉर्न- इस हॉर्न का मतलब है कि ट्रेन में कोई टेक्नीकल फाल्ट आ गया है और अब ट्रेन आगे नहीं बढ़ेगी.6 शॉर्ट हॉर्न- जब लोकोपायलट को किसी खतरे का आभास होता है, तब वो इस तरह के हॉर्न को बजाता है.2 छोटे और 1 बड़ा हॉर्न- इस तरह के हॉर्न दो कारणों से बजाए जाते हैं. सबसे पहला जब कोई ट्रेन की चेन पुलिंग करता है या फिर जब गार्ड वैक्यूम प्रेशर ब्रेक लगाता है.बेहद लंबा बजा हॉर्न- अगर ट्रेन लगातार हॉर्न बजा रहा है तो इसका मतलब ये है कि वो प्लेटफॉर्म पर नहीं रुकेगी.दो बार रुक-रुक कर बजाए गए हॉर्न- जब ट्रेन रेलवे क्रॉसिंग के नजदीक जाती है तब ट्रेन इस तरह से दो बार रुक-रुकर हॉर्न बजाता है. इसका कारण होता है कि कोई इंसान रेलवे ट्रैक के नजदीक ना आ पाए.दो लंबे और एक छोटा हॉर्न- जब ट्रेन अपना ट्रैक बदलती है, तब ऐसा हॉर्न बजाया जाता है.

एक्सीडेंट के बाद जो ड्राइवर पुलिस को इन्फॉर्म कर देंगे उनको रियायत मिलेगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 जनवरी : भारत इस वक्त बड़ी ट्रांसपोर्ट समस्या से जूझ रहा है. उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और पंजाह जैसे राज्यों में ट्रक ड्राइवर, बस ड्राइवर और ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स सड़कों पर आ गए हैं. उनका कहना है कि नया हिट एंड रन कानून सही नहीं है. ट्रक ड्राइवरों का कहना है कि यह कानून उनके साथ ज्यादती है. लेकिन अब सवाल उठता है कि क्या इन ट्रक ड्राइवरों को इस कानून का हर पहलू पता है. क्या इन्हें पता है कि दस साल की सजा और 7 लाख का जुर्माना सब पर नहीं, सिर्फ उन लोगों पर लगेगा जो एक्सीडेंट कर के भाग जाते हैं. चलिए आपको इस आर्टिकल में इस कानून से जुड़ी हर बारीकी बताते हैं.

पहले अब तक के कानून को समझिए

पहले अगर कोई व्यक्ति गाड़ी चलाते वक्त एक्सीडेंट कर देता था तो उस व्यक्ति पर आईपीसी की धारा 279, 304ए और 338 के तहत केस दर्ज किया जाता था. इसमें धारा 279 का मतलब (लापरवाही से गाड़ी चलाना), ड्राइवर की पहचान के बाद धारा 304ए लगती थी यानी (लापरवाही से मौत) और धारा 338 मतलब (जान जोखिम में डालना). इन धाराओं के तहत दो साल की सजा का प्रावधान था. कई मामलों में ड्राइवर को जमानत भी जल्द मिल जाती थी और पीड़ित परिवार इंसाफ के लिए दर-दर भटकता था.

अब हिट एंड रन कानून में बदलाव क्या हुए

हिट एंड रन कानून में बदलाव के बाद अब अगर कोई ड्राइवर स्पीड में या लापरवाही से

गाड़ी चलाता है और एक्सीडेंट करता है और एक्सीडेंट के बाद पुलिस को या मजिस्ट्रेट को सूचना दिए बिना पीड़ित को ऐसे ही सड़क पर मरता हुआ छोड़ कर भाग जाता है, तब 10 साल की सजा और 7 लाख रुपये के जुर्माने का प्रावधान किया गया है.

अगर कोई ड्राइवर पुलिस या मजिस्ट्रेट को सूचना दे देता है तब?

लोकसभा में इन कानूनों पर बोलते हुए केंद्रिय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि अगर किसी व्यक्ति से सड़क पर चलते हुए कोई हादसा हो जाता है और वह हादसे में पीड़ित व्यक्ति को उठा कर हॉस्पिटल ले जाता है और पुलिस को सूचना देता है तो इस मामले में गाड़ी चालक के साथ रियायत बर्ती जाएगी और उसे सजा भी कम होगी. यानी अगर आप से गलती से एक्सीडेंट हो जाए और आप पीड़ित को छोड़ कर भागने की बजाय उसकी जान बचाने की कोशिश करते हैं तो आपको ना तो 10 साल की सजा होगी और ना ही आप पर 7 लाख का जुर्माना लगेगा.

उत्तराखंड में नए साल के जश्न में लोग 30 करोड़ की शराब गटक गए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 03 जनवरी: उत्तराखंड में नए साल का जश्न मनाने आए पर्यटकों ने इस साल जमकर जाम छलकाए. नए साल के जश्न में प्रदेश भर में पर्यटकों ने करीब 30 करोड़ से अधिक की शराब गटक ली. आबकारी विभाग के द्वारा नए साल के मौके पर वनडे बार लाइसेंस भी खूब बांटे गए थे, नए साल को देखते हुए 24 घंटे अपना पोर्टल रखा था जिससे लगभग 329 बार लाइसेंस दिए गए. एक अनुमान के अनुसार उत्तराखंड में इस बार 10 लाख से भी ज्यादा पर्यटकों ने नए साल का जश्न मनाया. इस मौके पर जमकर शराब के जाम भी छलकाए गए. आबकारी विभाग के आंकड़ों के अनुसार 30 करोड़ से ज्यादा की शराब की बिक्री नए साल के मौके पर हुई.

30 करोड़ की शराब गटक गए पर्यटक

नए साल के मौके पर उत्तराखंड सरकार ने भी एक बड़ा फैसला लिया था जिसमें कहा गया था कि नए साल के मौके पर उत्तराखंड के तमाम रेस्टोरेंट और होटल 24 घंटे खुले रहेंगे. इसका असर यह हुआ कि उत्तराखंड आने के लिए पर्यटकों में होड़ सी बच गई. एक अनुमान के मुताबिक 10 लाख से ज्यादा पर्यटकों ने इस बार उत्तराखंड में नए साल का जश्न मनाया. इस मौके पर आबकारी विभाग की भी खूब चांदी हुई. इस दौरान लगभग 329 वनडे बार लाइसेंस लिए गए, वहीं 30 करोड़ से ज्यादा की शराब नए साल के मौके पर बेची गई. इस

बार हिमाचल से भी ज्यादा पर्यटक उत्तराखंड पहुंचे थे, उत्तराखंड के तमाम होटल लगभग 90 फीसदी फूल रहे.

आबकारी विभाग की हुई चांदी

आबकारी विभाग के आंकड़ों के अनुसार आबकारी विभाग से 329 वनडे बार लाइसेंस जारी किए गए वहीं अधिकारियों के अगर मन तो उनका कहना है कि नए साल की संध्या पर 30 करोड़ से ज्यादा की शराब की बिक्री हुई है इसमें देसी शराब शामिल नहीं है. उसकी बिक्री का अभी कोई आंकड़ा सामने नहीं आया है. उत्तराखंड आने वाले पर्यटक सरकार द्वारा चलाई गई तमाम चीजों से बेहद खुश दिखाई दिए. पर्यटकों ने जमकर नए साल का जश्न मनाया इससे आबकारी विभाग की भी खूब चांदी हुई तो वहीं पर्यटन विभाग भी बेहद खुश दिखाई दिया. पर्यटन बढ़ने से कारोबारियों में भी कई साल के बाद खुशी की लहर देखी जा रही है. ये सब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की योजनाओं का नतीजा है कि यहां कारोबार में लगातार वृद्धि हो रही है.

अवैध शराब की तस्करी करने वालों के खिलाफ दून पुलिस की कड़ी कार्यवाही

- शराब तस्करी में लिप्त 06 अभियुक्तों को दून पुलिस ने किया गिरफ्तार
- अभियुक्तों के कब्जे से 05 पेटी देसी अंग्रेजी शराब तथा 5 लीटर कच्ची शराब बरामद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 03 जनवरी : 1- कोतवाली डोईवाला 54 पव्वे अवैध देशी शराब के साथ एक शराब तस्कर गिरफ्तार कोतवाली डोईवाला पुलिस द्वारा दिनांक 01-01-24 को टी पॉइंट नकरोंदा हर्रावाला मे चैकिंग के दौरान अभियुक्त अभियुक्त ज्ञान सिंह से 54 पव्वे देशी शराब बरामद होने पर नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। मु०अ०सं०- 02/24 धारा 60 (i) आबकारी अधि० बनाम ज्ञान सिह पंजीकृत किया गया।

नाम पता अभियुक्त

ज्ञान सिंह पुत्र स्व० नर सिंह ग्राम जंगल जोगी पोस्ट ऑफिस सारा सरिया हाल निवासी मूलचंद चौक बालावाला, रायपुर, देहरादून, उम्र- 34 वर्ष2- थाना राजपुर 52 पव्वे अवैध देशी शराब के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार राजपुर पुलिस टीम द्वारा 52 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद की गई तथा एक नफर अभियुक्त गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

नाम पता अभियुक्त

दुर्वेश पुत्र राजपाल यादव हाल पता कैनाल रोड गब्बर बस्ती थाना राजपुर देहरादून उम्र 20 वर्ष।

3- कोतवाली ऋषिकेश

1 पेटी (48 पव्वे) अवैध अंग्रेजी शराब तथा 55 पव्वे देसी शराब के साथ 02 अभियुक्त गिरफ्तारकोतवाली ऋषिकेश पुलिस द्वारा दिनांक 01 जनवरी 2024 अलग अलग स्थानों मनसा देवी फाटक तथा आईडीपीएल गोल चक्कर के पास से 02 अभियुक्तो को 01 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब तथा 55 पव्वे अवैध देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

नाम पता अभियुक्त

1- संजय कुमार पुत्र करनैल सिंह निवासी ग्राम मल्लौर थाना नागल अंबाला हरियाणा, उम्र 38 वर्ष (01 पेटी अंग्रेजी शराब)2- दशरथ पुत्र परशुराम निवासी वीरपुर खुर्द, नेहरू ग्राम, ऋषिकेश, देहरादून (55 पव्वे देसी शराब)4- थाना बसंत विहार52 पव्वे देसी शराब के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तारदिनांक 01-01-24 को थाना वसंत विहार पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान शास्त्री नगर खाला ट्रांसफार्मर के पास से 01 अभियुक्त को 52 पव्वे देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।

नाम पता गिरफ्तार अभियुक्त

संतोष पुत्र स्व0 शिव प्रसाद निवासी शास्त्री नगर खाला, थाना- बसंत विहार, देहरादून05- कोतवाली विकासनगर05 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार दिनांक 01/01/24 को कोतवाली विकास नगर पुलिस द्वारा ग्राम कुंजा कश्यप बस्ती जाने वाले रोड में नहर की पटरी के पास से एक अभियुक्त को 05 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। नाम पता गिरफ्तार अभियुक्त रोहित पुत्र स्व० पाल सिंह निवासी ग्राम- कुंजा कश्यप बस्ती, विकासनगर, देहरादून

आयुष्मान भारत योजना कार्ड शिविर का आयोजन

- कार्यक्रम के चीफ गेस्ट दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान के द्वारा आयुष्मान भारत कार्ड किया गया वितरण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क
मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। नेहरु युवा केंद्र (मुंबई) और उनकी सहयोगी संस्थाएं त्रिरत्न प्रेरणा मंडल, साई शिक्षा फाउंडेशन, एम.ए.सी. फाउंडेशन, श्री माऊली शक्ती फाउंडेशन के माध्यम से त्रिरत्न भवन सांताक्रुज वेस्ट खोतवडी में 17/12/2023 को आयुष्मान भारत योजना कार्ड शिविर का आयोजन किया गया था और आयुष्मान भारत योजना कार्ड को बांटने का प्रोग्राम 01/01/2024 शाम को नये साल के अवसर पर रखा गया।

इस समारोह पर दै. मुंबई हलचल के संपादक श्री दिलशाद एस. खान जी इस प्रोग्राम के वीआईपी गेस्ट थे। उनके द्वारा आयुष्मान भारत कार्ड वहां के लोगों को बांटा गया। इस सामाजिक प्रोग्राम के सहयोगी श्री प्रकाश मनोरे जी (झोनल डायरेक्टर एन.वाय.के.एस. महाराष्ट्र) श्री नीसांन्त रौतेला जी (डी.वाय.ओ. मुंबई एन.वाय.के.) मैम ज्योती रानी सर संजय जाधव, सर मदन घेपाटे एन.वाय.के. - एन.वाय.के.एस. और इस सामाजिक प्रोग्राम को विशेष रूप से आयुष्मान कार्ड बनाने को श्री प्रमोद जैसवाल, मैम मनीषा

टेमकर, सर प्रशांत जाधव, श्री दिलीप कदम, श्री दयानंद मोहीते श्री रवी शीरके, श्री प्रशांत पवार, प्रीया जाधव ईनका बहुत बडा योगदान था। आयुष्मान भारत कार्ड बांटने के अवसर पर खलील शेख जी, श्री संतोष कुवेकर, मैम रेशमा पांचाळ, श्री भानुदास सोनावने, श्री सैलेद्र जाधव, मॉम रेखा जाधव, श्री मनोज कुमार और वहां के रहने वाले स्थानिक लोग मौजूद थे। इस तरह आयुष्मान भारत कार्ड को वहां के लाभार्थियों को देकर नये साल की शुरुआत की।

प्रॉपर्टी खरीद रहे हैं, कैसे पता करें संपत्ति वैध है या नहीं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 जनवरी , आजकल दिल्ली-एनसीआर समेत देश के ज्यादातर बड़े शहरों में मकान, फ्लैट और जमीन के दाम आसमान छू रहे हैं. ऐसे में लोग पुराने घरों का रुख कर रहे हैं. अगर आप भी किसी व्यक्ति से पुरानी संपत्ति खरीद रहे हैं तो उसके रिकॉर्ड को खंगाल लेना समझदारी का काम है. लेकिन, बड़ा सवाल ये उठता है कि ये काम आसानी से कैसे निपटाया जाए?

अगर आप पुराना मकान, जमीन या फ्लैट खरीद रहे हैं तो उसके दस्तावेज रिकॉर्ड को खंगालना बेहतर कदम रहेगा.

आजकल फ्लैट, मकान या जमीन खरीदना काफी महंगा हो गया है. वहीं, संपत्ति खरीदना काफी मुश्किल भी होता है. ज्यादातर लोगों को संपत्ति खरीदते समय सबसे बड़ी चिंता यही रहती है कि मकान, फ्लैट या जमीन वैध या नहीं. कहीं ऐसा तो नहीं कि आप जो संपत्ति खरीद रहे हैं, वो अवैध जमीन पर खड़ी हो और भविष्य में सरकार उसे जब्त कर ले. इसमें भी सबसे बड़ी दिक्कत पुरानी संपत्ति को खरीदने के दौरान आती है. अगर आप भी किसी व्यक्ति से पुरानी संपत्ति खरीद रहे हैं तो उसके रिकॉर्ड को खंगाल लेना समझदारी का काम है. लेकिन, बड़ा सवाल ये उठता है कि ये काम आसानी से कैसे निपटाया जाए?

कई बार गलत जगह निवेश करने पर आपका पैसा तो डूबता ही है. साथ ही जमीन, फ्लैट या मकान भी आपसे छिन जाता है. इसके लिए जरूरी है कि प्रॉपर्टी खरीदने से पहले उसका रिकॉर्ड खंगाल लें. ऑनलाइन के मौजूदा दौर से पहले यह काम बेहद मुश्किल होता था. अचल संपत्ति के रिकॉर्ड खंगालने के लिए आपको ऑफिस के चक्कर लगाने पड़ते थे. अब अचल संपत्ति के सभी रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध होने लगे हैं. अब आप 50 या 100 साल पुरानी संपत्ति के दस्तावेज भी ऑनलाइन निकाल सकते हैं.

जमीन का पुराना रिकॉर्ड देखने के लिए सभी राज्यों के राजस्व विभागों ने ऑफिशियल पोर्टल लॉन्च कर दिए हैं.राजस्व विभागों ने लॉन्च कर दिए हैं आधिकारिक पोर्टल ,अगर पहले आप अचल संपत्ति खरीदने से पहले भू-रिकॉर्ड निकालना चाहते थे तो आपको राजस्व विभाग के चक्कर लगाने पड़ते थे. इसके बाद भी सही दस्तावेज हासिल करना काफी परेशानी भरा साबित होता था. अब जमीन का पुराना रिकॉर्ड देखने के लिए सभी राज्यों के राजस्व विभागों ने ऑफिशियल पोर्टल लॉन्च कर दिए हैं. आप अपने राज्य के भूलेख पोर्टल पर जाएं और संपत्ति का 100 साल पुराना रिकॉर्ड भी खंगाल सकते हैं. इसके लिए आपको जमीन का नाम, खसरा नंबर, खाता संख्या, जमाबंदी नंबर पता होना चाहिए.

अगर आप ऑनलाइन मीडियम के जरिये रिकॉर्ड नहीं निकाल सकते हैं तो आप संपत्ति के पुराने वैध दस्तावेज ऑफलाइन तरीके से भी हासिल कर सकते हैं. इसके लिए आपको राजस्व विभाग के कार्यालय जाना है. फिर विभाग के संबंधित अधिकारी से भूमि का रिकॉर्ड देखने के लिए आवेदन फॉर्म हासिल करके पूछी गई सभी अहम जानकारियां भरनी होंगी. इसके बाद तय शुल्क को संबंधित अधिकारी के पास जमा करना होगा. इसके बाद विभाग के अधिकारी आपको जमीन के पुराने दस्तावेजों की कॉपी उपलब्ध करा देंगे

कुत्ते की पूंछ टेढ़ी ही क्यों रहती है ? ये है जबाब

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 जनवरी , एक कहावत है कि कुत्ते की पूंछ कभी सीधी नहीं होती. ये बात सही है कि कुत्तों की पूंछ गोलाकार और घुमी हुई होती है और किसी भी तरह से इसको सीधा नहीं किया जा सकता. हालांकि दुनिया में ऐसे कुत्ते भी होते हैं जिनकी पूंछ सीधी होती है. कुछ कुत्तों की तो पूंछ होती ही नहीं. जानते हैं कि कुत्तों की पूंछ आमतौर पर टेढी क्यों होती है. कुत्ते की पूंछ टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है, यह कहावत तो आपने बहुत सुनी होगी. पर क्या आपको इसका कारण पता है ? वैसे हर कुत्ते की पूंछ टेढ़ी नहीं होती. पर जिनकी होती है, उसे सीधा करने की जितनी भी कोशिश की जाए, वह टेढ़ी ही रहती है. इसीलिए यह जुमला ऐसे लोगों पर इस्तेमाल किया जाता है, जिनकी फितरत नहीं बदलती. ये रोचक सवाल है कि कुत्ते की पूंछ सीधी नहीं टेढ़ी ही क्यों रहती है.

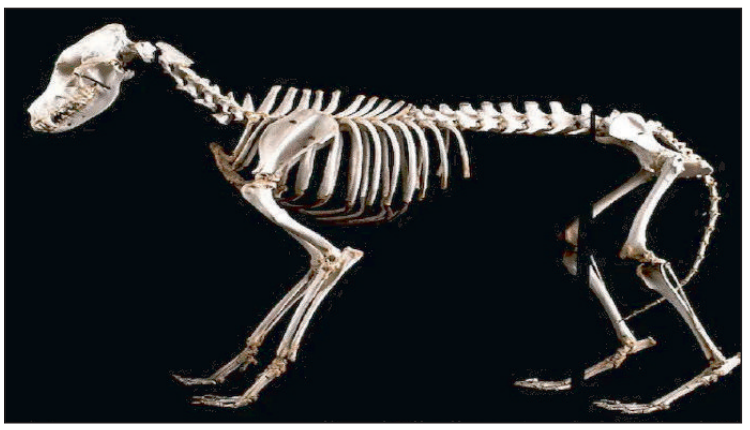

सबसे पहले तो यह समझना जरूरी है कि हर कुत्ते की पूंछ टेढ़ी नहीं होती है. किसी कुत्ते की पूंछ टेढ़ी होगी कि नहीं, यह उसकी नस्ल और उसकी जीन्स पर निर्भर करता है. अधिकांश तौर पर यह कुत्ते के सदियों से हो रहे विकास का नतीजा होता है. वैज्ञानिक मानते हैं कि अगर किसी कुत्ते को टेढ़ी पूंछ की जरूरत होती है तो विकासवाद के सिद्धांत के जरिए कुछ पीढ़ियों में उसकी पूंछ विकसित हो जाती है. कुत्तों की टेढ़ी पूंछ उनके विकासक्रम के दौरान उनकी जरूरतों की वजह से टेढ़ी विकसित हुई. कई विशेषज्ञ मानते हैं कि ठंडे इलाकों में रहने वाले कुत्तों के पूर्वजों को अक्सर पूंछ को मोड़कर रखना होता था. वे कई बार आराम करते हुए अपने पूंछ को नाक के ऊपर रख लेते थे, जिससे उन्होंने गर्मी मिल सके. पूंछ मोड़ने की इस आदत ने स्थायी स्वरूप ले लिया.

इसके अलावा कुत्तों का इंसान सदियों से उपयोग कर रहे हैं. उन्हें अपनी पूंछ जमीन से ऊंचाई पर रखने की जरूरत थी. इससे वे अपनी पूंछ हवा में भी टेढ़ी रखने लगे. एक कारण यह भी था कि टेढ़ी पूंछ उनके लिए ज्यादा बेहतर होती थी. अब सवाल यह उठता है कि क्या कुत्ते की पूंछ सीधी की जा सकती है. आजकल सर्जरी की ऐसी कई प्रक्रियाएं आ गई हैं जिससे कुत्ते की पूंछ को सीधा किया जा सकता है. फिर वो अपने आप टेढ़ी नहीं होतीं. हमेशा सीधी ही रहती हैं. हालांकि बताया जाता है कि इस तरह से कुत्ते की पूंछ सीधी कराना कुत्ते की सेहत के लिए ठीक नहीं होता. कुत्ते की पूंछ को सीधा कराने पर कई सवाल उठाये जाते हैं. एक सवाल तो नैतिक ही है कि क्या ऐसी अप्राकृतिक क्रिया कराना ठीक होगा. इस सर्जरी में सर्जन कुत्ते की हड्डी को तोड़ते हैं उन्हें फिर से व्यवस्थित करते है, जिससे कुत्ते को बहुत अधिक दर्द होता है. इससे उसकी सेहत पर भी बुरा असर होता है. इसका विरोध किया जाता है.

कुत्तों की ऐसी बहुत सी प्रजातियां होती हैं जिनकी पूंछ सीधी होती है. इनमें बेसेंजी और फराहो हाउंड प्रमुख हैं. वहीं कुछ मिश्रित प्रजाति के कुत्ते भी होते हैं जिनकी पूंछ सीधी होती है. ऐसे कुत्तों में सीधी पूंछ प्राकृतिक तौर पर ही होती है. यह किसी विकार का संकेत नहीं होता. दुनिया में कुत्तों की कई प्रजातियां ऐसी भी होती हैं जिनकी पूंछ होती ही नहीं है. इनमें फ्रेंच बुलडॉग, बोस्टन टेरियर, वेल्श कोर्गी, जैसी प्रजातियां प्रमुख हैं. वहीं कई कुत्ते ऐसे भी देखे जाते हैं जिनमें पूंछ देखने को नहीं मिलती है क्योंकि उनके मालिक पूंछ कटवा देते हैं. पश्चिमी देशों में पालतू कुत्तों की पूंछ कटवाना सामान्य बात है. अगर आपके कुत्ते की पूंछ पहले से ही यानी प्राकृतिक रूप से टेढ़ी हो कोई बात नहीं. पर अगर आपके कुत्ते की पूंछ अचानक ही टेढ़ी हो जाए या ज्यादा ही टेढ़ी हो जाए तो चिंता की बात हो सकती है. अगर कुत्ता खुद पूंछ को टेढ़ी कर रहा है, तो कोई समस्या नहीं, फिर भी ऐसा दर्द के कारण भी हो सकता है. उनकी पूंछ का टेढ़ा होने लगना दर्द का संकेत हो सकता है. कुत्ते की पूंछ उसकी रीढ़ की हड्डी का विस्तार होती है. उसके टेढ़ा होने का मतलब यह नहीं है कि उनकी रीढ़ की हड्डी भी टेढ़ी ही होगी. रीढ़धारी जानवर होने के नाते उनकी रीढ़ की हड्डी से पूंछ का सीधा जुड़ाव होता है. पूंछ कील की तरह निकली लगती है. इसी वजह से कुत्तों को हेमी वर्टिबरेट कहा जाता है

सर्दी में हाथ-पैर क्यों रहते हैं ठंडे ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 जनवरी : सर्दियों के मौसम में बच्चों और बुजुर्गों को ठंड ज्यादा लगती है. लेकिन कुछ व्यक्तियों को शरीर के अन्य अंगों की तुलना में हाथ और पैर में ज्यादा ठंड लगती है. हालांकि हमारे शरीर का डिजाइन ऐसा है कि बॉडी का तापमान संतुलित बना रहता है. आज हम बताएंगे कि कुछ लोगों को हाथ और पैर में ठंड ज्यादा क्यों लगती है।

बता दें कि जब शरीर से बाहर का तापमान ज्यादा कम रहता है, उस स्थिति में हमारी बॉडी यह सुनिश्चित करती है कि शरीर के महत्वपूर्ण अंगों तक खून के प्रवाह को बरकरार रखा जाए. ताकि इन अंगों पर बाहरी ठंड का असर कम पड़े. ऐसी स्थिति में रक्त के प्रवाह में अंतर आता है और महत्वपूर्ण अंगों को गर्म करने के कारण रक्त का प्रवाह हाथ और पैर तक जाते-जाते कम होने लगता है. यही कारण है कि ठंड के मौसम में कुछ लोगों के हाथ और पैर में ज्यादा ठंड लगने लगती है. यह एक सामान्य प्रक्रिया है, इससे बचने के लिए सिर्फ आपको अतिरिक्त उपाय करने की जरूरत है।

गर्म कपड़ें पहने - यदि सर्दी के दौरान आपके हाथ-पैर अक्सर ठंड पड़ने लगते हैं, तो हाथ-पैर में गर्म कपड़े जरूर पहने चाहिए. इसके अलावा पूरे शरीर को कवर करने के लिए गर्म कपड़ा पहना चाहिए.

एक्सरसाइज – किसी भी मनुष्य को स्वस्थ्य रहने के लिए एक्सरसाइज सबसे जुड़ी है. खासकर अगर आप लगातार ठंड से परेशान रहते हैं, तो रोजाना एक्सरसाइज करना चाहिए. इसके अलावा टहलना भी फायदेमंद साबित हो सकता है.

हीटिंग पैड - यदि सर्दियों में आपका शरीर बहुत ज्यादा ठंडा रहता है. ऐसे स्थिति में इलेक्ट्रिक हीटिंग पैड का इस्तेमाल कर सकते है. इसके बाद हाथ और पैर में गर्म कपड़े पहना चाहिए. .

मालिश – ठंड के समय गर्म तेल से मालिश करना सबसे ज्यादा फायदेमंद होता है. मसाज करने से उंगलियों और पंजों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है, जिससे ऑक्सीजन की सप्लाई बेहतर होती है.

खूब पानी पिए – ठंड के समय कुछ लोग पानी बहुत कम पीते है. डॉक्टरों का भी कहना है कि ये स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है. क्योंकि शरीर में पानी की कमी की वजह से ब्लड सर्कुलेशन सही से नहीं हो पाता है, जिसके कारण ठंड ज्यादा लग सकती है.

बैटरीमैन रहमत का जादू अब देहरादून में भी चलेगा, शुरू हुआ यू.के. बैट्रीज का उत्तराखंड सेंटर

मुख्य मसूरी रोड पर DIT यूनिवर्सिटी के पास हुई शुरुआत

मो.अरशद मलिक
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 03 जनवरी : अब आपको अपने देहरादून में मिलेगी अच्छी क्वालिटी की बैटरी व इनवर्टर क्योंकि देहरादून में खुल गई है UK बैटरी को सिंगल विंडो सॉल्यूशन वाली ब्रांच। देहरादून में डीआईटी यूनिवर्सिटी के पास मसूरी रोड पर UK बैटरी के शोरूम का उद्घाटन न्यूज़ वायरस नेटवर्क के सीईओ सलीम सैफी ने किया । इस मौके पर शोरूम के मालिक हाजी रहमत खान ने बताया कि हम 40 सालों से बैटरी का काम करते आ रहे है। हमारी किसी भी दुकान पर बाइक से लेकर ट्रक एवं घरेलू व कमर्शियल उपयोग के लिए इनवर्टर की बैटरी काफी कम मूल्य पर ग्राहकों को उपलब्ध होगी। इनवर्टर की बैटरी पर 5 साल की वारंटी मुख्य आकर्षण है। सबसे खास बात यह है कि इस दुकान में ग्राहकों को एक ही छत के नीचे सेल्स एवं सर्विस की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

मेरठ में पिछले 40 सालों से बैटरी के सेल्स एंड सर्विस के क्षेत्र में रहमत खान की है मजबूत साख

हाजी रहमत खान ने बताया कि उनकी पहेली ब्रांच मेरठ में, दूसरी ब्रांच कश्मीर और अब तीसरी ब्रांच देहरादून में खुली है। लोग उनके पास इसीलिए बैटरी लेने आते है क्योंकि वो अपने कस्टमर को अच्छी सर्विस देते है और जो भी कस्टमर को सुविधा चाहिए वो दी जाती है ज्यादा से ज्यादा सुविधा देते है। रहमत खान की दुकान पर हर प्रकार की बैटरी उपलब्ध है। साथ ही उन्होंने सलाह दी है कि बैटरी और इन्वर्टर को इस्तेमाल करते वक़्त बैटरी वॉटर का हमेशा ध्यान रखना चाइए क्योंकि 3 महीने में एक बार बैटरी वॉटर जरूर चेक करना चाहिए। बाकी जो भी कस्टमर रहमत की दुकान पर आएगा उससे उनका ये वादा है वो निराश होकर नहीं जायेगा ।

स्कूटी से लेकर ट्रक,ट्रैक्टर और इनवर्टर की बैटरी रेंज का सिंगल अंब्रेरा सॉल्यूशन

हाजी रहमत खान के दोनो बेटे शावेज़ खान और उजैर खान संयुक्त रूप से यू के बैट्रीज के देहरादून सेंटर का संचालन देखेंगे।

यू के बैटरी की दुकान के उद्घाटन में आए अजीम खान ने बताया की वो मेरठ के रहने वाले है और अक्सर देहरादून आते जाते रहते है मगर उनका अनुभव कहता है कि देहरादून में सस्ती और अच्छी बैटरी मिलना बहुत मुश्किल था। लेकिन अब uk बैटरी की ब्रांच देहरादून में खुल गई है तो अब दून में अच्छी बैटरी उपलब्ध होगी क्योंकि इनकी पहेली दुकान मेरठ में है जहा से कई बार उनके द्वारा बैटरी खरीदी गई है जिसके आधार पर उनका अनुभव ये कहता है कि रहमत खान अच्छी क्वालिटी की बैटरी देते है, और ग्राहकों को को उनकी सबसे अच्छी बात लगती है वो ये है की ये कस्टमर को बहुत अच्छी सर्विस देते है। हमेशा इनके पास से कस्टमर खुश होकर ही जाता है। और कस्टमर एक बार आने के बाद अपने साथ और भी कस्टमर को लेकर आता है।

अदीब नाम के कस्टमर ने बताया की वो नए साल पर देहरादून घूमने आया आए थे उस बीच उनकी गाड़ी की बैटरी खराब हो गई। तो वो बाजार में कई दुकानों पर गए लेकिन उन्हे अच्छी बैटरी नहीं मिल पाई उसके बाद उन्होंने uk बैटरी से बैटरी खरीदी तो हाजी रहमत खान ने उन्हें बैटरी पर बड़ा डिस्काउंट दिया और इन्होंने दावा किया है कि रहमत खान छोटी से लेकर बड़ी बैटरी पर अच्छा खासा डिस्काउंट देंगे। इस मौके पर मेरठ से आए मेहमानों में मो शावेज खान,उजैर खान,श्रीमती साजदा, शाजिया, मेहनाज, अल्वीना, अब्दुल हादी,मो शाकिर,पापुलर गैराज ,देहरादून के मालिक अशरफ सैफी और मैराज सैफी ख़ास तौर मौजूद रहे और उत्तराखंड मदरसा बोर्ड के चेयरमैन मुफ्ती शमून क़ासमी ने उन्हे एक दिन पहले पहुंचकर शुभकामनाएं दी है।

सावधान : मुंह ढककर नहीं सोना चाहिए, होता है नुकसान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 जनवरी , सर्दियों का मौसम चल रहा है. हम सभी रजाई-कंबल का इस्तेमाल कर रहे हैं. कुछ लोग रजाई में मुंह ढककर सोना पसंद करते हैं लेकिन उन्हें ऐसा करने से मना किया जाता है, क्योंकि इसके गंभीर नुकसान हो सकते हैं. रजाई या कंबल में मुंह ढककर सोने से दम घुट सकता है, ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित हो सकता है. ऐसा इसलिए क्योंकि जब हमारा मुंह ढका होता है तो शरीर को फ्रेश ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है और खराब ऑक्सीजन ही शरीर के अंदर जाता रहता है. वहीं, मुंह ढककर सोने का असर मेटाबॉलिज्म पर भी पड़ता है. आइए जानते हैं इसके नुकसान...

मुंह ढककर क्यों नहीं सोना चाहिए

1. फेफड़ों को हो सकता है नुकसान

मुंह कवर करके यानी ढककर सोने से शरीर में सही मात्रा में फ्रेश ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता है. इससे लंग्स पर बुरा असर पड़ता है और दम घुटने या हार्ट अटैक जैसी खतरनाक स्थिति बन सकती है. कई मामलों में तो फेफड़े सिकुड़ने तक लगते हैं. इसलिए सर्दियों में मुंह ढककर सोने से मना किया जाता है.

बढ़ सकती हैं स्किन प्रॉब्लम्स

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सर्दियों में मुंह ढककर सोने से स्किन से जुड़ी कई प्रॉब्लम्स हो सकती हैं. रजाई या कंबल के अंदर मौजूद खराब हवा स्किन (Skin) के रंग को काला बना सकता है. इससे स्किन पर रेशेज की समस्या भी हो सकती है. अधिकतर मामलों में लोगों को पता ही नहीं होता है कि मुंह ढककर सोने की वजह से ऐसा हो रहा है. इसलिए तुरंत इस आदत को बदल लेना चाहिए.

किसे सबसे ज्यादा खतरा

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ऐसे लोग जिन्हें अस्थमा, सीओपीडी या सांस की कोई कोई दूसरी बीमारी है तो उन्हें गलती से भी अपना मुंह कवर करके नहीं सोना चाहिए. ऐसे लोगों के लिए यह जानलेवा भी हो सकता है. अस्थमा या इन दूसरी बीमारियों के मरीजों के फेफड़े कमजोर हो जाते हैं, ऐसे में मुंह ढकने से उन्हें सही मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है. ऐसे में अस्थमा का अटैक भी आ सकता है या सांस फूल सकती है. इसलिए ऐसे मरीजों को कभी भी मुंह कवर करके नहीं सोना चाहिए।

'ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन' के तहत नैनीताल पुलिस की ताबड़तोड़ कार्यवाही

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 03 जनवरी : कोतवाली हल्द्वानी/मुखानी/ काठगोदाम पुलिस ने 387 पव्वे अंग्रेजी/ देशी शराब व कालाढूंगी पुलिस/ रामनगर पुलिस द्वारा 255 पाउच एवं 40 लीटर कच्ची शराब की बरामद प्रहलाद नारायण मीणा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल द्वारा जनपद में मादक पदार्थों की बिक्री व तस्करी की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी, क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी के निर्देशन में लगातार कार्यवाही की जा रही है। कोतवाली हल्द्वानी- प्रभारी निरीक्षक हल्द्वानी उमेश मलिक के नेतृत्व में 03 अलग-अलग मामलों में 03 व्यक्तियों से कुल- 160 पाउच शराब बरामद की है। 1- टीपी नगर पुलिस टीम द्वारा चिराग फास्ट फूड टीपी नगर के पास से जगदीश कुमार निवासी काशीपुर हल्द्वानी को एक प्लास्टिक के कट्टे में 52 पव्वे अंग्रेजी शराब मैकडवल को वाहन संख्या UK04Y 4583 स्कूटी में परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया गया है एवं वाहन सीज की गई है। उक्त विरुद्ध कोतवाली हल्द्वानी में धारा 60/72 EX Act पंजीकृत किया गया है ।गिरफ्तारी टीम

1- अ0उ0नि0 त्रिभुवन सिंह 2- का0 तारा सिंह 3- का0 अनिल टम्टा

2- चौकी मंडी पुलिस टीम द्वारा प्लेनेट होण्डा शोरूम के सामने दक्ष भोजनालय के पास से मोहन सिह नेगी निवासी हरिपुर तुलाराम अर्जुनपुर हल्द्वानी को एक प्लास्टिक के कट्टे में 52 पव्वे देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है । उक्त के विरुद्ध धारा 60 EX Act पंजीकृत किया गया है ।

गिरफ्तारी टीम1- हे0का0 राजेन्द्र बर्मा 2- का0अरुण राणा

3- चौकी राजपुर पुलिस टीम द्वारा समशान घाट गेट राजपुर के पास से लक्की वाल्मीकि निवासी राजपुरा हल्द्वानी को एक प्लास्टिक के कट्टे में 56 पव्वे देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है । उक्त के विरुद्ध थाना हल्द्वानी में धारा 60 EX Act पंजीकृत किया गया है ।

गिरफ्तारी टीम

1- उ0नि0 नरेन्द्र कुमार चौकी प्रभारी राजपुरा2- हे0का0 151 राजेन्द्र राणा

थाना मुखानी

चौकी प्रभारी आरटीओ रोड द्वारा चैकिंग के दौरान दिनांक 01/01/23 को पवन आर्या पुत्र महेंद्र पाल निवासी हरतोला जिला नैनीताल उम्र 24 वर्ष को ज्वाला गैस गोदाम के पास कृष्णा टाइल्स के पास खाली प्लॉट से एक सफेद कट्टे के अंदर 2 पेटियों मे कुल 96 पव्वे अवैध देशी

मसालेदार शराब गुलाब मार्का बरामद कर गिरफ्तार किया है। उक्त के विरुद्ध धारा 60 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत आवश्यक कार्यवाही की गई।

पुलिस टीम

1. श्री संजीत राठौड़ चौकी प्रभारी आरटीओ रोड2. कानि0 सुनील आगरी 3.कानि0 रविंद्र खाती4. कांस्टेबल मनीष उप्रेती

थाना कालाढूंगी

थानाध्यक्ष कालाढूंगी नंदन सिंह रावत के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा दौरान चैकिंग ज्ञान प्रकाश इंटर कॉलेज के पास पुलिस टीम का0 निर्मल सिंह, का0 मोहन सिंह द्वारा 1- विनोद कुमार उम्र 27 वर्ष पुत्र मुरली निवास कुकर मैलानी लखीमपुर खीरी के कब्जे से 40 पाउच कच्ची शराब बरामद कर गिरफ्तार किया है। 2- भीमपुरी गेट कामोला के पास पुलिस टीम का0 राजपाल, का0 स्वरूप सिंह द्वारा इंद्रपाल उम्र-20 वर्ष पुत्र मुनि निवासी खाग्नि हैदराबाद लखीमपुर खीरी के कब्जे से 34 पाउच कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। 3- ईसाई फार्म के पास का0 वीरेंद्र राणा, का0 संजय कुमार द्वारा सोना पाल लाल उम्र- 27 वर्ष पुत्र प्रेमचंद निवासी धस उटार शाहजहांपुर के कब्जे से 48 पाउच कच्ची शराब बरामद कर गिरफ्तार किया है।।उक्त के विरुद्ध थाना कालाढूंगी में क्रमशः FIR NO- 1,2,3/2024 धारा- 60 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक कार्यवाही की गई है।

थाना काठगोदाम

थानाध्यक्ष काठगोदाम विमल मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा चैकिंग के दौरान 1- हरीश कुमार पुत्र थानेश्वर उम्र 31 वर्ष निवासी ग्राम चौण्डेरा पोस्ट याकूब गंज बहेड़ी जिला बरेली उत्तर प्रदेश हाल निवासी कुमाऊं कालोनी को 53 पव्वे देशी शराब गुलाब मार्केट के साथ 2- राकेश मेहता पुत्र सुन्दर सिंह मेहता निवासी ग्राम माट कसार देवी पो0ओ0 डोनापानी थाना अल्मोड़ा उम्र-27 वर्ष हाल पूर्वी खेड़ा गौलापार थाना काठगोदाम को 78 पव्वे देशी शराब गुलाब मार्का के साथ सीआरपीएफ कैम्प के पास से गिरफ्तार कर क्रमशः मुकदमा अपराध संख्या 01,02/24 धारा 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत किया गया है।

पुलिस टीम

1- थानाध्यक्ष विमल कुमार मिश्रा2- उ0नि0 मनोज कुमार3- उ0नि0 महेन्द्र राज सिंह4- कानि0 चन्दर सामन्त5- कानि0 बसन्त कुमार6- कानि0 सुरेन्द्र बिष्ट7- कानि0 भुवन कुमार

कोतवाली रामनगर

प्रभारी निरीक्षक रामनगर अरुण सैनी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा अवैध शराब के साथ 04 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।1- जग्गा सिंह पुत्र सुरजीत सिंह नि० तुमडियाडाम न०1 मालधनचौड उम्र 29 वर्ष को चंदननगर मालधन चौड़ के पास 30 लीटर कच्ची शराब बरामद 2 - अनिल कुमार पुत्र नरेश कुमार नि० ऊ०नगर उम्र 31 वर्ष जुडका न० 2 थाना काशीपुर के कब्जे से वन विभाग भवानीगंज के पास 91 पाउच कच्ची शराब बरामद 3- खीम सिंह पुत्र वसीर सिंह नि० बैरिया थारी पीरुमदारा रामनगर उम्र 45 वर्ष के कब्जे से बैरिया थारी पिरूमदारा के पास *10 लीटर कच्ची शराब बरामद 4- सोनू सैनी पुत्र राम भरोसे सैनी नि० चिल्किया रामनगर उम्र 39 वर्ष के कब्जे से निगम की पुलिया के पास 52 पाउच कच्ची शराब बरामद उक्त चारों को गिरफ्तार कर इनके विरुद्ध थाना रामनगर में FIR NO क्रमशः- 01,02,05,06/2024 पंजीकृत कर आवश्यक कार्यवाही की गई है।

संक्षिप्त खबरें

एसडीएम ने चंबा में अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये

नई टिहरी।। एसडीएम टिहरी ने चंबा में नगर पालिका में बैठक कर नगर क्षेत्र के मुख्य मार्गों किये गये अतिक्रमण को हटाने सहित नगर में सभी व्यवस्थाओं को चुस्त दुरस्त रखने के अधिकारियों को निर्देश दिये। मंगलवार एसडीएम टिहरी संदीप कुमार ने चंबा नगर पालिका सभागार में नगर पालिका कर्मचारी, चंबा थाना पुलिस, व्यापारियों, टैक्सी यूनियन के साथ बैठक की। एसडीएम ने चंबा में वाहन पार्किंग व्यवस्था को दुरस्त करने, नगर क्षेत्र के मुख्य मार्गों पर अतिक्रमण न करने तथा किये गये अतिक्रमण को तत्काल हटाने, नगर का सौन्दर्यकरण, विद्युतीकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होंने लावारिश गोवंशों को गौशाला में शिफ्ट करने, टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों को सडक़ पर अनावश्यक वाहन न खड़ा करने सहित अन्य व्यवस्थाओं को दुरस्त रखने को कहा। कहा जो व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है, उसके खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाए। बैठक में पालिका ईओ यूडी तिवारी, थानाध्यक्ष एलएस बुटोला, एई लोनिवि एसए खान,शरद कुमार, दर्मियान सजवाण, लाल सिंह बिष्ट, शीशपाल, आशाराम डबराल आदि मौजूद थे।

मालचंद बूढ़ाकेदार मंडल के अध्यक्ष मनोनीत

नई टिहरी।। भाजपा के जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल ने जिला प्रभारी मुकेश कोली और सहप्रभारी रमेश चौहान की सहमति पर मालचंद बिष्ट पार्टी के प्रति निष्ठा और समर्पण को देखते हुए बूढ़ाकेदार मंडल का मंडल अध्यक्ष मनोनित किया है। जिलाध्यक्ष ने मनोनीत मंडल अध्यक्ष बिष्ट से पार्टी की रीति नीतियों, कार्यक्रमों, केंद्र और राज्य सरकार की विकासपरक कार्यों को जनता के बीच पहुंचने की अपेक्षा की है।

राइंका नौलबासर का एनएसएस शिविर संपन्न

नई टिहरी।। राजकीय इंटर कॉलेज नौलबासर का सात दिवसीय एनएसएस शिविर लसियाल गांव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समापन हो गया। कार्यक्रम के समापन पर सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश नेगी ने स्वयं सेवियों को संबोधित करते हुये कहा स्वयं सेवियों को शिक्षा के साथ समाज हित में कार्यों में भी कार्य करने के लिये आगे आना चाहिए। सात दिवसीय शिविर के दौरान स्वयं सेवियों ने ग्रामीणों को स्वच्छता अभियान, मतदाता जागरुक, नशा मुक्ति, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, डिजिटल बैंकिंग आदि की जानकारी दी। मौके पर कार्यक्रम अधिकारी कुलभूषण नौटियाल, दीपक बलोनी,कुशलानंद जोशी, विपिन नैथानी, नीलम आदि मौजूद थे।

प्रधान संगठन कीर्तिनगर के अध्यक्ष कुकसाल पर लगे आरोप निराधार

श्रीनगर गढ़वाल। प्रधान संगठन कीर्तिनगर ने उपजिलाधिकारी कीर्तिनगर सोनिया पंत के माध्यम से जिलाधिकारी टिहरी को ज्ञापन प्रेषित किया है। ज्ञापन में प्रधान संगठन कीर्तिनगर के उपाध्यक्ष बीरबल सिंह चौहान, ग्राम प्रधान मैखंडी मीनाक्षी देवी, प्रधान कणोली रश्मि देवी, प्रधान जखण्ड शिवानी डोभाल, नैथाणा आशा देवी आदि ने प्रधान संगठन कीर्तिनगर के अध्यक्ष एवं ग्राम प्रधान पैण्डुला सुनय कुकसाल पर लगे आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि एक पक्षीय कार्यवाही करने की बात कही है। उन्होंने पूरे प्रकरण में अधिकारियों को बचाने का आरोप लगाया है। कहा कि प्रशासन की यह जांच संदेह के घेरे में है। उन्होंने प्रशासन के इस फैसले पर पुनर्विचार करने और दोषी कर्मचारी, अधिकारियों व सोलर लाइट फर्म पर भी कार्यवाही करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मांग पर कार्यवाही नहीं होती है तो वह उच्च न्यायालय की शरण लेने के लिए मजबूर होंगे। ज्ञापन देने वालों में ग्राम प्रधान सिरवाडी धन सिंह रावत, बीरबल सिंह चौहान, हेमलता देवी सहित आदि मौजूद थे।

कार और स्कूटी की भिंड़त में नाबालिग की मौत

श्रीनगर गढ़वाल। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर उफल्डा के समीप कार और स्कूटी में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में स्कूटी सवार नाबालिग गंभीर रूप से घायल हो गया। नाबालिग को घायल अवस्था में निजी वाहन से बेस अस्पताल श्रीकोट में भर्ती करवाया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मूल रूप से बिजनौर निवासी साहिल (17) पुत्र अकरम कीर्तिनगर में सब्जी की दुकान चलाता है। देर शाम वह किसी काम से श्रीनगर आया हुआ था। रात को लौटते समय उफल्डा के समीप पहुंचते ही उसकी स्कूटी सामने से आ रही कार से जा टक्करा गई। इस हादसे में साहिल गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगों ने निजी वाहन से उसे बेस अस्पताल श्रीकोट में भर्ती करवाया। जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। श्रीनगर कोतवाल विनोद गुसांई ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेस चिकित्सालय की मोर्चरी भेज गया है।

भारत के किस राज्य में है सबसे ज्यादा और सबसे कम मुस्लिम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 जनवरी : भारत अनेकता में एकता के लिए जाना जाता है. यहां की खूबसूरती इसी में है कि यहां विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं. यहां सबसे ज्यादा आबादी हिंदू और फिर मुस्लिम धर्म को लोगों की है. 2011 की जनगणना के अनुसार देश में 96.63 करोड़ लोग हिंदू और 17.22 करोड़ मुस्लिम लोग रहते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत के किस शहर में सबसे कम और सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी रहती है? यदि नहीं तो चलिए जानते हैं।

किस राज्य में रहते हैं सबसे कम मुस्लिम?

जनगणना के अनुसार देश में सबसे कम मुस्लिम मिजोरम में रहते हैं. बता दें मिजोरम में मुस्लिम आबादी राज्य की जनसंख्या का 1.4 प्रतिशत है. वहीं देश में मिजोरम के बाद सबसे कम मुस्लिम आबादी सिक्किम में है, जहां 1.6 प्रतिशत मुस्लिम धर्म के लोग रहते हैं. सबसे कम मुस्लिम आबादी में तीसरे नंबर पर हिमाचल प्रदेश आता है जहां 2.2 प्रतिशत मुस्लिम धर्म के लोग रहते हैं. साथ ही इस लिस्ट में चौथे नंबर पर ओडिशा तो वहीं पांचवे नंबर पर नागालैंड आता है. जहां ओडिशा में 2.2 तो वहीं नागालैंड में 2.5

प्रतिशत मुस्लिम रहते हैं।

इस राज्य में रहते हैं सबसे ज्यादा मुस्लिम

सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी के लिहाज से दुनिया में तीसरे नंबर पर आता है. जहां 21 करोड़ से ज्यादा मुसलमान रहते हैं. जो कुल जनसंख्या का 14.23 प्रतिशत हिस्सा है. वहीं राज्यों की बात करें तो देश में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी उत्तर प्रदेश में रहती हैं. जहां 19.3 प्रतिशत मुस्लिम रहते हैं. वहीं इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर पश्चिम बंगाल का नाम आता है जहां 25 प्रतिशत मुस्लिम रहते हैं. लिस्ट में तीसरे नंबर पर बिहार का नाम आता है जहां 16.9 फीसदी मुस्लिम जनसंख्या रहती है. वहीं लिस्ट में चौथे पर महाराष्ट्र और पांचवे पर असम का नंबर आता है.

लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटा EC, IAS-IPS अफसरों की बनेगी लिस्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 जनवरी : अब चुनाव आयोग लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गया है। आयोग ऐसे अफसरों की लिस्ट बना रहा है, जिन्होंने पिछले चुनाव में आयोग के नियमों और निर्देशों का उल्लंघन किया है। इस लिस्ट में IAS-IPS समेत कई अफसरों के नाम हो सकते हैं चुनाव आयोग ने लिस्ट बनाने की ये जिम्मेदारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को सौंपी है। इनमें वो अफसर भी शामिल होंगे जो पिछले चुनाव में कार्यवाही के दायरे में आए हैं।

अनुशासनहीनता की अनदेखी पर कार्रवाई

ये निर्देश लोकसभा चुनाव के लिए अफसरों को ट्रांसफर करने को लेकर जारी की गई गाइडलाइन में दिए गए हैं। इसके अलावा चुनाव से सीधा संबंध रखने वाले अफसरों को तीन साल तक एक ही जिले में पोस्टेड रहने का ब्यौरा भी देना होगा। खबर के मुताबिक सालों से एक ही जगह जमे अफसरों को हटाया जाएगा।

संपादकीय

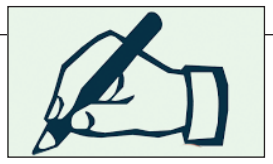

ट्राइबल रंग में निखार

छटे से हिमाचल की अधिकार प्राप्त करने की होड़ में मुद्दे और मुद्दों की बिसात पर सामाजिक विभाजन की रूपरेखा में उतरते नए पहलवानों का अवतार। गिरिपार की 154 पंचायतों का समाज अब अधिकार के नए क्षेत्र में कदम रखते हुए इस तरह का दसवां समुदाय हो गया जो अब जनजातीय पुकारा जाएगा। इस तरह आधी सदी का संघर्ष सिरमौर के हाटी समुदाय को जनजातीय घोषित होने की खुशी प्रदान कर रहा है। जाहिर तौर पर अधिकारों की फेररिस्त में करीब डेढ़-पौने दो लाख लोगों का समूह गौरवान्वित महसूस कर सकता है क्योंकि अब समाज को संविधान का रक्षा कवच मिलेगा। यह दीगर है कि आने वाले समय में हिमाचल के विभिन्न समुदाय कैसे दिखेंगे या पहले जनजातीय घोषित अधिकार किस तरह बंटेंगे, लेकिन प्रदेश पहले से बड़े ट्राइबल कुनबे का आधार हो गया। इसके आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक व सांस्कृतिक पहलू अवश्य ही आगे चलकर दिखाई देंगे। हिमाचल की तरक्की के हर आयाम में ट्राइबल शक्ति का समावेश ही दिखाई नहीं देता, बल्कि सरकारों व सचिवालय के संचालन में भी इनका महत्त्व स्पष्ट है। हम एक तरह कॉडर को ताकतवर होते इसलिए देख पाते हैं क्योंकि वहां जातियों से बड़ा जनजातीय समूह उभर कर आगे बढ़ा है। पहले किन्नौर, लाहुल-स्पीति, भरमौर-पांगी तक की परिधि में जनजातीय क्षेत्रों की धमक में सियासी पारा चढ़ता था, लेकिन शांता कुमार के प्रयास से कांगड़ा का गद्दी समुदाय और अब सिरमौर का हाटी समुदाय भी ट्राइबल चिन्हित हुआ है, तो इसके भूगोल से कहीं व्यापक मानव अधिकारों की शृंखला बनती है। यही वजह है कि किन्नौर से जनजातीय पृष्ठभूमि की समृद्धि सोलन से लेकर चंडीगढ़ तक की रीयल एस्टेट में बस गई। लाहुल-स्पीति के वर्चस्व में मनाली का आंगन बस गया। इसी तरह चंबा का गद्दी समुदाय अब कांगड़ा की आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक पक्ष का अहम किरदार बन गया। बेशक हाटी समुदाय के भीतर पहले से प्रगतिशील जातियां शिमला और पांवटा साहिब की खुशहाली में शृंगार करती रही हैं, लेकिन जनजातीय दर्जे के आगमन से इस क्षेत्र का आर्थिक प्रस्थान व सरकारी ओहदों में अवसर प्राप्ति का स्थान बनेगा। कुल मिला कर यह केवल एक वर्ग का जनजातीय होना नहीं, बल्कि सियासत में ट्राइबल प्रभाव का एक और मीलपत्थर हासिल करना होगा। नक्शे में देखें तो हिमाचल के एक बड़े भूभाग में ट्राइबल रंग दिखाई दे रहा है, फिर भी शिमला के डोडराक्वार और कांगड़ा के छोटा व बड़ा भंगाल एरिया के लोगों के भी जनजातीय सत्कार की जरूरत है। भौगोलिक विषमताओं के मानदंड में कई क्षेत्र आज भी चंगर की हवाओं से आजिज हैं, तो विकास के असंतुलन में कई सामाजिक सुराख बाकी हैं। इसलिए जब कभी गरीब ब्राह्मण, राजपूत या अन्य तथाकथित उच्च जातियों के लगभग पिछड़े हुए लोग अपने लिए आरक्षण मांगते हैं, तो ऐसे आर्थिक पिछड़ेपन की भी तो सुनी जानी चाहिए। हिमाचल में भी वर्ग विभाजन के बजाय आर्थिक विभाजन से कई लोगों की हैसियत का उत्थान आवश्यक है, लेकिन सियासत के पैगाम केवल समुदाय चुनते हैं। बहरहाल बढ़ते ट्राइबल समुदाय के परिचय को सियासी रूप से रेखांकित करने के लिए अब हिमाचल से लोकसभा की एक जनजातीय सीट बढनी चाहिए।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई राज्य आपदा मोचन निधि एवं राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि के प्रस्तावों के अनुमोदन हेतु राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक

देहरादून । मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में राज्य आपदा मोचन निधि एवं राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि के प्रस्तावों के अनुमोदन हेतु राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित हुयी। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समिति में प्रस्तावों के लाने से पूर्व जिला स्तरीय एवं राज्य स्तरीय मूल्यांकन समिति द्वारा प्रस्तावों की जांच अनिवार्य रूप से करा ली जाए। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर विभिन्न जनपदों द्वारा प्रस्तावों की स्वीकृति के लिए अलग-अलग प्रक्रियाएं अपनाई जा रही है। इसमें सुधार लाए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी जनपदों से सुझाव मांगते हुए प्रस्तावों के अनुमोदन के लिए एक समान प्रक्रिया अपनाए जाने के निर्देश दिए। शीतलहर को देखते हुए मुख्य सचिव ने जनपदों द्वारा आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त धनराशि के प्रस्ताव शासन को शीघ्र प्रेषित किए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित समिति की बैठक में वित्तीय वर्ष 2023-24 में राज्य में शीतलहर के प्रकोप से बचाव के लिए जनपद पौड़ी के लिए 15 लाख सहित बाकी 12 जनपदों को 10 -10 लाख (कुल ?135 लाख) आबंटित कर कार्योंत्तर स्वीकृति सहित विभिन्न प्रस्तावों को स्वीकृति दी गयी। इस अवसर पर सचिव रंजीत कुमार सिन्हा, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जनपदों से जिलाधिकारी सहित शासन से अन्य वरिष्ठ उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

नए साल पर महिलाओं ने निकाली मंगलयात्रा

देहरादून , 3 जनवरी , नए साल पर मंगलकामना के लिए देवभूमि में महिलाओं ने ग्राम मझौन में श्रीमद भागवत कथा से पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली जिसमे जुड़ने के लिए देहरादून , विकासनगर , सहसपुर से बड़ी संख्या में भक्तों को जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

नए वर्ष में उत्तराखंड में कांग्रेस को मजबूत करने का लिया संकल्प

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 03 जनवरी : देहरादून महानगर व पूरे राज्य में कांग्रेस को मजबूत करने का आज इंद्रानगर, कांवली व राजपुर में आयोजित कार्यक्रमों में संकल्प लिया गया। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने आज महानगर के कैंट , धर्मपुर व राजपुर क्षेत्र में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत की व कार्यकर्ताओं के साथ नव वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

प्रदेश उपाध्यक्ष धस्माना ने देहरादून क्षेत्र में अनेक कार्यक्रमों में की शिरकत महिलाओं का सम्मान सहित करेंगे सशक्तिकरण : धस्माना

इंद्रानगर सीमद्वार में धस्माना ने युवा महिला उद्यमी साईदा अंसारी के स्टार्टअप सीरीज के दूसरे जनरल स्टोर का उद्घाटन किया जिसका उन्होंने 2021 में शुभारंभ किया था व आज सवा दो वर्ष के अंदर उन्होंने अपना दूसरा जनरल स्टोर शुरू किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए धस्माना ने कहा कि सवा दो वर्ष पहले जब साईदा अंसारी जो स्नातक पड़ी लिखी शादी शुदा महिला हैं नौकरी की तलाश कर रही थी तब उनको अपना

स्टार्टअप शुरू करने का विचार आया और उन्होंने बड़े जनरल स्टोर्स की तर्ज पर अपना स्टोर खोलने का संकल्प लिया जिसमें उनको उनके पति सलीम अंसारी ने पूरा सहयोग किया और फिर मेहनत रंग लाई और सवा दो वर्षों में उन्होंने अपना दूसरा स्टोर स्थापित कर लिया। धस्माना ने कहा कि यह खुशी की बात है कि आज साईदा अपने स्टोर से न केवल अपना स्वरोजगार स्थापित कर पाई है बल्कि उसने अनेक लोगों को अपने संस्थान में रोजगार दिया हुआ है। धस्माना ने कहा कि हमारा प्रयास है कि हम महिलाओं को सम्मान के साथ शशक्तिकरण करें। इस अवसर पर महनागर कांग्रेस अध्यक्ष डॉक्टर जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि कांग्रेस हमेशा महिलाओं के शशक्तिकरण के पक्ष में रही है क्योंकि महिलाएं ही वास्तव में हमारे राज्य के विकास की रीढ़ हैं। धस्माना ने दीपनगर, ओल्ड मसूरी रोड, कांवली, कालिंदी एनक्लेव , इंजीनियरिंग एनक्लेव, जीएमएस रोड, करणपुर में भी नव वर्ष के कार्यक्रमों में शिरकत की व लोगों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर पूर्व पार्षद राजेश पुंडीर, पूर्व पार्षद ललित भद्री, महनागर महामंत्री अवधेश कथिरिया, राजेन्द्र सिंह राज, मनीष भदौरिया, संजय कटारिया, अभिषेक तिवारी, उदय सिंह पंवार, इकराम, सलीम अंसारी व बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डिब्बाबंद उत्पादों को लेकर लागू हुआ नया नियम, उपभोक्ताओं को होगा बड़ा फायदा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 जनवरी : सरकार की ओर से डिब्बा बंद यानी पैकेजिंग सामानों को लेकर एक नया नियम 1 जनवरी, 2024 से लागू किया गया है। इसके बाद सभी कंपनियों को डिब्बा बंद किए हुए सामानों पर मैन्युफैक्चरिंग की तिथि के साथ प्रति इकाई बिक्री मूल्य लिखना होगा।इस नियम के लागू होने के उपभोक्ताओं को खरीदे जाने वाले उत्पाद के बारे में पहले से ज्यादा जानकारी मिलेगी और वे सही निर्णय ले पाएंगे।

इस नए नियम पर उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा है कि सभी डिब्बा बंद कमोडिटीज पर मैन्यूफेक्चरिंग की तारीख और प्रति इकाई बिक्री मूल्य सोमवार यानी एक जनवरी से लिखना अनिवार्य हो गया है। अभी तक डिब्बा बंद उत्पादों पर 'मैन्यूफैक्चरिंग की तारीख' या 'आयात की तारीख' अथवा पैकेजिंग की तारीख प्रकाशित करना वैकल्पिक था।

सरकार ने जारी किया नोटिस

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी किए गए नोटिस के अनुसार, अब कंपनियों(New Rule) के लिए सामान के 'प्रति इकाई बिक्री मूल्य' के साथ केवल

'मैन्यूफैक्चरिंग की तारीख' प्रकाशित करना अनिवार्य किया गया है। उपभोक्ता मामलों के सचिव सिंह ने बताया कि चूंकि पैकेट बंद सामान की बिक्री विभिन्न मात्राओं में की जाती है, ऐसे में महत्वपूर्ण है कि उपभोक्ता डिब्बा बंद सामान की प्रति इकाई बिक्री कीमत से अवगत हों, जिससे वह सभी जानकारी के साथ सोच-विचार कर वस्तु खरीद सके।

मैन्युफैक्चरिंग (New Rule) की तारीख प्रकाशित होने से उपभोक्ताओं को यह जानने में मदद मिलेगी कि पैक की गई वस्तु कितनी पुरानी है। इससे वे सोच-विचार कर खरीदारी का निर्णय कर सकेंगे।इसी प्रकार, प्रति इकाई बिक्री मूल्य होने से उपभोक्ताओं के लिए वस्तु की लागत का पता लगाना आसान हो जाएगा। उदाहरण के लिए 5 किलोग्राम के पैकेट बंद गेहूं के आटे में अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के साथ प्रति किलो इकाई बिक्री मूल्य भी प्रकाशित होगा।इसी प्रकार, एक किलो से कम मात्रा वाले डिब्बा बंद उत्पाद के पैकेट पर बिक्री मूल्य प्रति ग्राम होगा। साथ ही उत्पाद की कुल एमआरपी (अधिकतम खुदरा मूल्य) भी होगी।

जिला प्रशासन और राजा टाइगर रिजर्व प्रशासन ने मिलकर अतिक्रमण हटाया

देहरादून , 3 जनवरी , जिला प्रशासन और राजा टाइगर रिजर्व प्रशासन ने मिलकर पार्क के भीतर बनी अवैध मजार को ध्वस्त कर दिया। धामी सरकार के निर्देश पर ये कारवाई आज पूरी हुई, अवैध मजार को लेकर वन विभाग ने पहले खुद ही हटा लेने के लिए नोटिस चस्पा किया था।बेरीवाला फॉरेस्ट रेंज में डालूवाला माजमाता गांव के पास बनी इस अवैध मजार को हटाने को लेकर जिला प्रशासन ने कुछ हफ्ते पहले बैठक की थी जिसमे राजा जी टाइगर रिजर्व के अधिकारी भी सम्मिलित हुए थे। जिसके बाद इस अवैध मजार के खादिम को नोटिस देकर उन्हें जमीन के दस्तावेज दिखाने को कहा गया था। नोटिस का जवाब नही दिए जाने के बाद पुनः खुद ही इस अतिक्रमण को हटाने के लिए नोटिस दिया गया। जिसकी समयावधि बीत जाने के उपरांत आज सुबह पार्क प्रशासन की टीम ने इस अवैध मजार को ध्वस्त कर दिया।मजार के भीतर कोई मानवीय अवशेष नही मिले।जिला अधिकारी धीराज गर्ब्याल ने बताया कि अवैध धार्मिक चिन्ह को हटाने के लिया

पर्याप्त समय दिया गया। आज इस कार्य को वन विभाग ने पूरा कर दिया।अतिक्रमण हटाओ अभियान के नोडल अधिकारी स्पेशल सेक्रेटरी डॉ पराग मधुकर धकाते ने बताया कि उत्तराखंड में विगत 6 माह में 3263 एकड़ वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त किया गया है ।

संक्षिप्त खबरें

खाई में मिली युवक की लाश, 31 तारीख से था लापता

अल्मोड़ा। नगर से लगे सिकुड़ा क्षेत्र में युवक का शव मिलने से हडक़ंप मच गया। मंगलवार सुबह सूचना के बाद अल्मोड़ा कोतवाली व धारानौला चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। कोतवाल अरुण कुमार ने बताया कि शव की पहचान प्रकाश राम पुत्र राजन राम उम्र 31 वर्ष, निवासी ग्राम बिरोड़ा, अल्मोड़ा के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि मृतक व उसके दोस्तों ने यहां धारानौला में थर्टी फर्स्ट की पार्टी की थी। रात में ही दोनों बाइक से घर को निकल गए थे। मृतक के दोस्त ने उसे आधे रास्ते में बाइक से उतार दिया। पुलिस प्रथम दृष्टया खाई में गिरने से मौत की आशंका जता रही है। इधर सूचना के बाद मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे। एसडीआरएफ टीम की मदद से पुलिस ने शव को खाई से बाहर निकाल मोर्चरी भेज दिया है। पुलिस ने पंचायतनामा व अन्य आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि मृतक प्लम्बर का कार्य करता था। फिलहाल परिजनों की ओर से पुलिस में कोई तहरीर नहीं सौंपी गई है। कोतवाल अरुण कुमार ने बताया कि मृतक के दोस्त से पूछताछ की जाएगी। मामले की हर कोण से जांच की जा रही है।

नए कानून के विरोध में अल्मोड़ा टैक्सी यूनियन, टैक्सी संचालन पूर्ण रूप से रहेगा बंद

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा टैक्सी मालिक सेवा समिति के महासचिव नीरज पवार ने बताया कि अल्मोड़ा टैक्सी मालिक सेवा समिति बुधवार 03 जनवरी को केंद्र सरकार की ओर से थोपे गये नए कानून के विरोध में टैक्सियों का संचालन पूर्ण रूप से बंद रखेगी। कुमाऊं टैक्सी महासंघ के आदेश पर जनपद के अल्मोड़ा टैक्सी मालिक सेवा समिति ने समस्त वाहन मालिक और चालकों से अनुरोध किया गया है कि सभी अपना पूर्ण समर्थन प्रदान करें। उन्होंने कहा कि अगर कोई वाहन स्वामी या चालक वाहन चलाते हुए पाया गया तो उसकी सदस्यता समाप्त कर दी जाएगी। वाहन नुकसान की उसकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी। इमरजेंसी सेवाओं वाले वाहन को यूनियन के सदस्यों द्वारा जांच करने के पश्चात छोड़ा जाएगा। प्राइवेट वाहन में यदि कोई सवारी भरते हुए पाया गया उसकी गाड़ी के नुकसान की जिम्मेदारी उसकी स्वयं की होगी।

वाहन चालकों व ट्रांसपोर्ट कारोबारियों का तहसील में प्रदर्शन

ऋषिकेश। केंद्र सरकार की ओर से वाहन चालकों के लिए लाए गए नए कानून को लेकर ट्रांसपोर्ट कारोबारियों और वाहन चालकों ने आक्रोश जताया है। वाहन चालकों ने मंगलवार को भी हड़ताल जारी रखते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने नए नियमों को वापस लेने की मांग उठाई। मंगलवार को डोईवाला क्षेत्र में वाहन चालकों ने हड़ताल रखी। विभिन्न जगहों पर वाहन चालकों ने कॉर्मिशयल वाहनों को रोका। इसकी वजह से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस बीच बड़ी तादाद में ट्रांसपोर्ट कारोबारियों और वाहन चालक डोईवाला तहसील पहुंचे। वहां उन्होंने धरना प्रदर्शन करते हुए उपजिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित किया और नए नियमों को रद्द करने की मांग उठाई। ट्रक एसोसिएशन डोईवाला के अध्यक्ष गौरव सिंह ने कहा कि पहले से जो कानून देश में लागू है, उसमें किसी कारणवश अगर एक्सीडेंट हो जाता था, तो ड्राईवर को जमानत का प्रावधान था। जबकि अब नये नियम में किसी कारण दुर्घटना हो जाये, तो ड्राइवर को दस वर्ष की सजा के साथ लाखों रुपये जुर्माने का प्रावधान किया गया है। इसकी वजह से ड्राइवर और उनके परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट पैदा हो जायेगा। ज्ञापन देने वालों में विक्रम एशोसिएशन अध्यक्ष प्रताप यादव, लोडर यूनियन अध्यक्ष राजकुमार, टैक्सी यूनियन एयरपोर्ट अध्यक्ष महेन्द्र भारती, विक्रम यूनियन संरक्षक मनोज नौटियाल, करतार नेगी, अमित सैनी आदि उपस्थित रहे।